प्रेस विज्ञप्ति

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली

12 सितंबर 2025,

वैश्विक लेखा संवाद संपन्न - एआई, नई तकनीकों और आईटी ऑडिट के भविष्य पर केंद्रित चर्चा

2026-28 कार्य योजना में साइबर सुरक्षा ऑडिट और रिमोट ऑडिट को प्राथमिकता

अंतरराष्ट्रीय सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (INTOSAI) के आईटी ऑडिट कार्यसमूह (WGITA) की 34वीं वार्षिक बैठक और ज्ञान-साझाकरण समिति (KSC) की 17वीं संचालन समिति बैठक का आयोजन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG), श्री. के. संजय मूर्ति की अध्यक्षता में आज हैदराबाद में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन 29 देशों के प्रतिनिधियों, सहयोगी संगठनों और विषय विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी का साक्षी बना।

बैठकों के दौरान प्रतिनिधियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), नई उभरती तकनीकों, और डिजिटल टूल्स के माध्यम से सार्वजनिक ऑडिट प्रणाली को सशक्त बनाने, पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिक-केंद्रित सुशासन सुनिश्चित करने पर व्यापक चर्चा की। इस मंच ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग, विचार-विनिमय और ज्ञान-साझाकरण को मजबूत किया।

WGITA की 34वीं वार्षिक बैठक में 2023-25 कार्य योजना के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की गई, जिसमें आईटी ऑडिट हैंडबुक को समर्थन देने के लिए विस्तृत ऑडिट मैट्रिक्स का विकास, इन्फॉर्मेशन सिस्टम सुरक्षा ऑडिट पर INTOSAI गाइडेंस-5101 का प्रकाशन, और सूचना प्रणालियों के मूल्यांकन हेतु दिशानिर्देशों का निर्माण शामिल रहा। आईटी ऑडिट डेटाबेस के रख-रखाव और ज्ञानवर्धक वेबिनार के आयोजन में दिए गए योगदान को भी सराहा गया।

बैठक का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष 2026-28 कार्य योजना का अनुमोदन रहा, जिसमें साइबर सुरक्षा ऑडिट और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) आधारित रिमोट ऑडिट को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही, शोध, क्षमतावृद्धि और नवाचार पर भी विशेष जोर दिया गया।

SAI भारत ने IIT मद्रास के साथ मिलकर एक विशेष पहल प्रस्तुत की - लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) का विकास, जिसे ऑडिट और निरीक्षण रिपोर्टों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा, एक नौ माह का एआई/एमएल प्रमाणन कार्यक्रम भी लॉन्च किया गया, जो अन्य देशों के लेखा संस्थानों के लिए भी उपलब्ध रहेगा। SAI चीन, मिस्र, IDI, EUROSAI ITWG और AFROSAI-E जैसी संस्थाओं की सहभागिता ने विमर्श को और समृद्ध किया और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया।

KSC की 17वीं संचालन समिति बैठक में प्रतिभागियों ने ज्ञान-साझाकरण समिति के विभिन्न कार्य समूहों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। INTOSAI महासचिवालय, IDI, और SAI चेक गणराज्य द्वारा प्रस्तुतियों ने रणनीतिक और क्षेत्रीय दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया।

सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण भारत की 'पीएम गतिशक्ति' योजना का प्रदर्शन रहा, जिसमें यह प्रदर्शित किया गया कि कैसे AI, GIS और बिग डेटा जैसी तकनीकों का उपयोग अधोसंरचना योजना, निगरानी और ऑडिट प्रक्रिया को बदल सकता है - यह अनुभव वैश्विक स्तर पर भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है।
साथ ही, बैठक में 2026–28 संचालन योजना के प्रारूप, रणनीतिक विकास योजना 2023–28 की प्रगति और 'Navigating Global Trends' रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। प्रमुख प्रशासनिक विषयों पर निर्णय लिए गए, जिनमें KSC की Terms of Reference में संशोधन, रिपोर्टों एवं प्रस्तावों की स्वीकृति, नई जिम्मेदारियों का निर्धारण और अगली बैठक के आयोजन स्थल (मिस्र) की पुष्टि शामिल रही।

अपने समापन भाषण में भारत के CAG श्री. के. संजय मूर्ति ने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और तकनीकी नवाचार को पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को मजबूत करने के एक अहम साधन के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि साझा विशेषज्ञता और सहयोग के माध्यम से INTOSAI सदस्य संस्थानों को तेजी से बदलते डिजिटल युग की चुनौतियों से निपटने के लिए सशक्त बना सकता है।

इन उच्चस्तरीय बैठकों की सफल समाप्ति न केवल INTOSAI की नवाचार, सहयोग और क्षमतावर्धन की प्रतिबद्धता को दोहराती है, बल्कि सार्वजनिक लेखा परीक्षा में भारत की वैश्विक नेतृत्व भूमिका और उत्तरदायी व पारदर्शी शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

BSC/SS/IK/60-25